2013 विधानसभा चुनाव का विश्लेषणात्मक अध्ययन (बिलासपुर जिले के संदर्भ में)

पूर्णिमा साहू (शोधार्थी)
राजनीति विज्ञान, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर

डॉ. जी. एस. धुर्वे (शोध निर्देशक)
विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, प्रभारी प्राचार्य, शासकीय
वीरांगना अवंती बाई लोधी महाविद्यालय पथरिया (छ.ग.)

सारांश – भारत एक लोकतांत्रिक देश हैं। भारत का लोकतंत्र दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना जाता है। आधुनिक भारत में लोग आज भी लोकतंत्र की इस धारणा पर विश्वास करते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को इसमें भाग लेना चाहिए। लोकतंत्र सरकार का एक रूप है जिसमें लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समय–समय पर आयोजित होने वाले स्वतंत्र चुनावों से युक्त प्रतिनिधित्व प्रणाली के माध्यम से निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेते हैं। मतदान की व्यवस्था द्वारा कोई वर्ग या समाज का सदस्य देश की संसद या विधानसभा में अपना प्रतिनिध चुनने का प्रस्ताव प्रकट कर सकता है। इस देश में प्रत्यक्ष रूप से लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव से प्रतिनिधियों को चयनित किया जाता हैं, इन चुनाओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत का मतदाता स्वतंत्र है। भारतीय संविधान के भाग–5 के अनुच्छेद 324 से 329 के अनुसार निर्वाचन संबंधित प्रावधान का वर्णन किया गया है। 2013 का छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया, जिसने शासन और विकास की प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया।

मुख्य शब्द :– भारत, लोकतंत्र, विधानसभा चुनाव, मतदान, बिलासपुर।

प्रस्तावना

लोकतंत्र एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है जिसमें लोग और सरकार मिलकर एक समृद्ध और साझा समाज का निर्माण करते हैं। आज दुनिया के अधिकांश देशों में लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था है, और भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र माना

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 12, Iss 01, 2023

जाता है।[1] चुनाव लोकतंत्र का एक अभिन्न हिस्सा है, जो नागरिकों को उनके अधिकारों और इच्छाओं के अनुसार प्रतिनिधि चुनने का अवसर प्रदान करता है। यह राज्य निर्माण, सत्ता का हस्तांतरण, शांति, राजनीतिक स्थिरता और मौलिक मानवाधिकारों की रक्षा में अहम भूमिका निभाता है। इस प्रकार, चुनाव लोकतांत्रिक शासन के लिए अनिवार्य और महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ये नागरिकों को अपनी आवाज उठाने और शासन में भाग लेने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अध्ययन में हम 2013 के विधान सभा चुनाव के दौरान बिलासपुर जिले में प्रमुख मुद्दों, मतदाता भागीदारी और चुनाव परिणामों का विश्लेषण करेंगे, ताकि यह समझ सकें कि बिलासपुर के लोगों की उम्मीदें चुनावी प्रक्रिया में कैसे प्रतिबिंबित होती हैं। यह अध्ययन जिले के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और उन तत्वों पर प्रकाश डालता है जो मतदाताओं के व्यवहार और उनके प्रतिनिधियों से जुड़ी अपेक्षाओं को प्रभावित करते हैं।[2]

भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली

आज़ादी के बाद, भारत 26 जनवरी 1950 को अपनी खुद की संविधान को अंगीकार करके एक लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। भारत में 'लोकतंत्र' शब्द का पहला उपयोग संविधान के प्रस्तावना में किया गया है। भारत में लोकतंत्र के तीन प्रकार होते हैं – राजनीतिक लोकतंत्र, सामाजिक लोकतंत्र और आर्थिक लोकतंत्र। इस संदर्भ में यह देखा गया है कि भारतीय संविधान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के लिए समानता पर आधारित समाज की स्थापना करना है, ताकि सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय प्रदान किया जा सके।[3]

चुनाव का अर्थ

चुनाव शब्द का अर्थ है किसी विकल्प में से एक का चयन करना, जैसे किसी व्यक्ति या संगठन का चुनाव। यह एक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी राजनीतिक पद या संगठन के लिए विजेता का चयन किया जाता है। चुनाव समाज में सामूहिक निर्णय लेने का एक तंत्र है, जिसमें मतदाता यह तय करते हैं कि कौन से उम्मीदवार या पार्टी सार्वजनिक मामलों का संचालन करेंगे।[4]

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 12, Iss 01, 2023

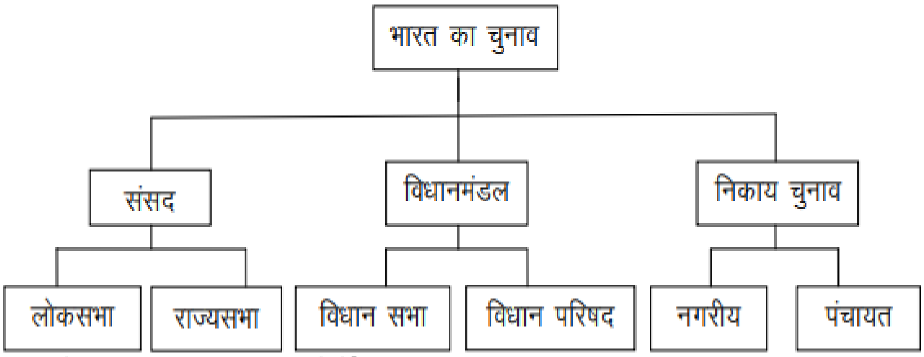

आकृति – भारत का चुनाव (स्वनिर्मित)

भारत का चुनाव लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिसमें नागरिक अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं। यह चुनाव आमतौर पर संसद, विधानमंडल और स्थानीय निकायों के लिए होते है। चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और संविधान द्वारा निर्धारित नियमों के तहत होती हैं। **संसद** भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन – राज्य सभा (उच्च सभा) एवं लोकसभा (निम्न सभा) होते हैं। भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को प्रवृत्त हुआ। नए संविधान के तहत प्रथम आम चुनाव वर्ष 1951–52 में आयोजित किए गए थे तथा प्रथम निर्वाचित संसद अप्रैल, 1952 में अस्तित्व में आई।[5] **लोकसभा** 1951–1952 के प्रथम आम चुनाव के पश्चात 13 मई, 1952 को लोक सभा की प्रथम बैठक हुई। लोक सभा, लोक सदन हैं तथा इसे निम्न सदन, प्रथम कक्ष और लोकप्रिय सदन के नाम से भी जाना जाता है। **राज्यसभा** 3 अप्रैल, 1952 को राज्य सभा का गठन किया गया। यह भारतीय संसद का उच्च सदन है। इसे राज्य परिषद, दूसरा कक्ष या हाउस ऑफ एल्डर्स जैसे नामों से भी पुकारा जाता है। **विधानमंडल** एक ऐसी राजनीतिक व्यवस्था है जो कानूनों का क्रियान्वयन या आरोपी कानून के उल्लंघनकर्ताओं का आकलन या दंडित करने वाली संस्थाओं के विपरीत कानून–निर्मात्री संस्था है।[6] **विधानसभा** विधानमंडल का निम्न सदन होता हैं और इसे संविधान के अनुच्छेद 170 के तहत प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों से सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष निर्वाचन के माध्यम से निर्वाचित होते हैं। **विधान परिषद** संविधान का अनुच्छेद 171 विहित करता है कि, किसी राज्य की विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या उस राज्य की विधान सभी के सदस्यों की संख्या के एक–तिहाई से अधिक और किसी भी स्थिति में 40 से

कम नहीं होगी।[7] **निकाय चुनाव** का वर्णन सर्वप्रथम अनुच्छेद 40 राज्य के निति–निर्देशक में हैं। 1992 में 73वें संविधान संशोधन में पंचायती चुनाव तथा 74वें संविधान संशोधन में नगरीय चुनाव का उल्लेख हैं। **नगरीय चुनाव** के द्वारा नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत क प्रतिनिधि चुने जाते हैं। इन चुनावों का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में विकास और प्रशासन को प्रभावी बनाना है। **पंचायत चुनाव** ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय शासन के प्रतिनिधियों को चुनने के लिए होते हैं। इन चुनावों के माध्यम से ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत और जिला पंचायत के सदस्य चुने जाते हैं।[8]

छत्तीसगढ़ विधानसभा का परिचय

दुनिया में विभिन्न प्रकार की राजनीतिक प्रणालियाँ हैं, जैसे राजतंत्र और तानाशाही, जबकि प्रजातंत्र में शासन जनता के निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से होता है। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है, जिसका संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। संसदीय शासन प्रणाली में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका स्वतंत्र होते हैं। कार्यपालिका की शक्तियाँ राष्ट्रपति और राज्यपाल में निहित होती हैं, जो मंत्रिपरिषद की सलाह से कार्य करती हैं। विधायिका कानून बनाती है, जबकि कार्यपालिका उन्हें लागू करती है। राज्यपाल विधान सभा द्वारा पारित विधेयक पर स्वीकृति देने के साथ–साथ अन्य महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।[9]

आजादी के बाद छत्तीसगढ़ का प्रथम विधानसभा चुनाव

भारत की आज़ादी के बाद 1951–52 में पहले आम चुनाव में छत्तीसगढ़ क्षेत्र, जो तब मध्यप्रदेश का हिस्सा था, से लोकसभा और विधानसभा के चुनाव हुए। उस समय मध्यप्रदेश विधानसभा में 184 निर्वाचन क्षेत्र थे, जिनमें से 48 क्षेत्रों से दो–दो सदस्य चुने गए थे, और 9 क्षेत्र अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित थे। छत्तीसगढ़ में 62 विधानसभा क्षेत्र थे, जिनमें 42 से एक–एक सदस्य और 20 से दो–दो सदस्य चुने गए थे, जिनमें एक सामान्य और एक आरक्षित सीट होती थी। 1952 के चुनाव में पंडित रविशंकर शुक्ल, महंत लक्ष्मीनारायण दास, और अन्य प्रमुख नेता विजयी हुए। कांग्रेस ने इस चुनाव में भारी जीत हासिल की, लेकिन किसान मजदूर प्रजा पार्टी के

कुछ नेता भी चुने गए थे। जिनमें पार्टी के प्रमुख नेता ठाकुर प्यारेलाल सिंह, खुबचंद बघेल बखेड़ा आदि शामिल थे।[10]

छत्तीसगढ़ विधानसभा की संरचना

1 नवम्बर, 2000 को छत्तीसगढ़ राज्य के अस्तित्व में आने के साथ ही छत्तीसगढ़ विधान सभा का भी गठन हुआ। छत्तीसगढ़ राज्य की प्रथम विधान सभा में 91 सदस्य थे, जिनमें से 90 जनता द्वारा निर्वाचित तथा 01 नामांकित सदस्य (एंग्लो इंडियन समुदाय) थे। 05 दिसम्बर, 2003 से गठित छत्तीसगढ़ की द्वितीय विधान सभा में 90 निर्वाचित तथा 01 नामांकित सदस्य (एंग्लो इंडियन समुदाय से) थे, जबकि विघटन की तिथि में 88 निर्वाचित, 01 नाम निर्देशित सदस्य थे एवं 02 स्थान रिक्त थे। छत्तीसगढ़ की तृतीय विधान सभा का गठन में 90 निर्वाचित तथा 01 नामांकित सदस्य थे। जबकि विघटन की तिथि में 89 निर्वाचित, 01 नाम निर्देशित सदस्य थे एवं 01 स्थान रिक्त था। चतुर्थ विधानसभा का गठन 11 दिसंबर 2013 को हुआ जिसमे 90 निर्वाचित एवं एक नामांकित सदस्य है। प्रथम द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ विधान सभा में विभिन्न दलों की सदस्य संख्या निम्नानुसार है।[11]

छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचित सीटों का विवरण

तालिका क्रमांक – 1

राजनीतिक दल	प्रथम विधानसभा	द्वितीय विधानसभा	तृतीय विधानसभा	चतुर्थ विधानसभा
भारतीय जनता पार्टी	22	52	49	49
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	62	34	38	39
बहुजन समाज पार्टी	02	01	02	01
गोड़वाना गणतंत्र पार्टी	01	–	–	–
राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी	–	01	–	–
निर्दलीय	02	–	–	01
असम्बद्ध	01	–	–	–
रिक्त	–	02	01	–
नाम निर्देशित	01	01	01	01
योग	91	91	91	91

स्त्रोत – https://cgvidhansabha.gov.in/hindi_new/vs_intro.htm

अध्ययन क्षेत्र

मेरे शोध अध्ययन में बिलासपुर जिले की छः विधानसभा क्षेत्रों का चयन किया गया हैं। बिलासपुर जिले की जनसंख्या लगभग 2,662,077 हैं, जो कि रायपुर और भिलाई–दुर्ग के बाद तीसरा सबसे बड़ा शहर है। बिलासपुर शहर अरपा नदी के तट पर अक्षांश 22°6'5"N से 22°6'30"N और देशांतर 82°6'45"E से 82°12'5"E पर स्थित है। बिलासपुर शहर छत्तीसगढ़ राज्य की वाणिज्यिक राजधानी है।[18] जिले का कुल क्षेत्रफल 3508.48 वर्ग किलोमीटर है। वर्तमान में बिलासपुर जिले में 11 तहसील, 4 ब्लॉक और 708 गांव शामिल हैं। बिलासपुर को छत्तीसगढ़ राज्य की न्यायिक राजधानी भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ राज्य उच्च न्यायालय स्थित है, जो एशिया का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है। आज, बिलासपुर अपनी चावल की गुणवत्ता, कोसा उद्योग और सांस्कृतिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है।[12]

बिलासपुर जिलें का इतिहास

बिलासपुर शहर लगभग 400 साल पुराना है। जिला 16वीं शताबदी में मछुआरों के एक समूह द्वारा बसाया गया था, जिसकी स्थापना कल्वुरी शासक रतनदेव द्वितीय के द्वारा किया गया था। इस बस्ती को 'बिलासपुर' नाम दिया गया, जो 'बिलासा' नामक महिला के नाम पर रखा गया था। यह बस्ती अरपा नदी के पूर्वी किनारे पर स्थित थी और इसे 'पचरी घाट' या 'जुना बिलासपुर' के नाम से जाना जाता था। सन् 1571 में छत्तीसगढ़ पर हैहय वंशी राजपूतों का शासन था, जिनकी राजधानी रतनपुर थी। ऐतिहासिक रूप से, बिलासपुर को रतनपुर के कलचुरी राजवंश ने नियंत्रित किया था। सन् 1741 में बिलासपुर, मराठा शासन के अधिन हो गया था। बिलासपुर जिले का गठन सन् 1861 में हुआ, तब यह जिला मध्यप्रांत के अधिन था, इसके बाद सन् 1867 में यहाँ नगर पालिका का गठन हुआ। सन् 1905 में बंगाल विभाजन के दौरान, बिलासपुर जिले को मध्यप्रांत और बरार के अधिन मिलाया गया।[13] सन् 1956 में बिलासपुर जिले को संभाग का दर्जा प्राप्त हुआ, जो तात्कालिन मध्यप्रदेश राज्य के अंतर्गत था। तत्पश्चात् 1 नवम्बर, सन् 2000 को मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ विभाजन के बाद बिलासपुर जिला छत्तीसगढ़ राज्य में शामिल हो गया। जिसे छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बनाया गया।

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 12, Iss 01, 2023

निर्वाचन क्षेत्र (2013)

तालिका क्रमांक – 2

विधानसभा क्षेत्र का नाम	विधान सभा क्षेत्र का क्रमांक
कोटा	25
तखतपुर	28
बिल्हा	29
बिलासपुर	30
बेलतरा	31
मस्तुरी (अ.जा.)	32

स्त्रोत – (htt)

निर्वाचन क्षेत्र के मतों का विवरण (2013)

तालिका क्रमांक –3

विधानसभा क्षेत्र	कुल उम्मीदवार	कुल निर्वाचक	कुल मतदाता	मतदान %	निर्वाचित	मतदान प्राप्त	कुल मतदान %
कोटा	20	179154	138617	77.37	डॉ. रेणु जोगी	58390	42.16
तखतपुर	17	184723	142748	77.28	राजु सिंह क्षत्रीय	44735	31.40
बिल्हा	16	230987	177379	76.79	सियाराम कौशिक	83598	47.19
बिलासपुर	16	223950	135974	60.72	अमर अग्रवाल	72255	53.22
बेलतरा	18	181317	126190	69.60	बद्रीधर दीवान	50890	40.37
मस्तुरी	14	239819	179579	74.88	दिलीप लहरिया	86509	48.24

स्त्रोत – भारतीय चुनाव आयोग – रिपोर्ट 2013

उपरोक्त तालिका क्रमांक – के अनुसार निर्वाचित क्षेत्र से कुल मतों का विवरण एवं निर्वाचित सदस्यों के मतों का विवरण – **कोटा** विधानसभा क्षेत्र के 2013 विधानसभा चुनाव में कुल 20 उम्मीदवारों ने भाग लिया था, उनके निर्वाचन के लिए

कुल 179154 मतदाता थे जिनमें से 138617 मतदाताओं ने मतदान किया। जो कि मतदाताओं का 77.37 प्रतिशत था। डॉ. रेणु जोगी (भा.रा.कां.) ने 58390 मत प्राप्त कि जो कुल मतों का 42.16 प्रतिशत प्राप्त कर निर्वाचित हुई। **तखतपुर** विधानसभा क्षेत्र के 2013 विधानसभा चुनाव में कुल 17 उम्मीदवारों ने भाग लिया था, जिसमें कुल 184723 मतदाता थे जिनमें से कुल 142748 मतदाताओं ने मतदान किया था। जो कि कुल मतदाताओं का 77.28 प्रतिशत था। चुनाव में राजु सिंह क्षत्रीय (भा.ज.पा.) ने 44735 मत प्राप्त कर विजय हासिल की जो की कुल मतों का 31.40% था। **बिल्हा** विधानसभा क्षेत्र के 2013 विधानसभा चुनाव में कुल 16 उम्मीदवारों ने भाग लिया था, जिसमें कुल 230987 मतदाता थे जिनमें से कुल 177379 मतदाताओं ने मतदान किया था। जो कि कुल मतदाताओं का 76.79 प्रतिशत था। चुनाव में सियाराम कौशिक (भा.रा.कां.) ने 83598 मत प्राप्त कर विजय हासिल की जो की कुल मतों का 47.19 था। **बिलासपुर** विधानसभा क्षेत्र के 2013 विधानसभा चुनाव में कुल 16 उम्मीदवारों ने भाग लिया था, जिसमें कुल 223950 मतदाता थे जिनमें से कुल 135974 मतदाताओं ने मतदान किया था। जो कि कुल मतदाताओं का 60.72 प्रतिशत था। चुनाव में अमर अग्रवाल (भा.ज.पा) ने 72255 मत प्राप्त कर विजय हासिल की जो की कुल मतों का 53.22 था। **बेलतरा** विधानसभा क्षेत्र के 2013 विधानसभा चुनाव में कुल 18 उम्मीदवारों ने भाग लिया था, जिसमें कुल 181317 मतदाता थे जिनमें से कुल 126190 मतदाताओं ने मतदान किया था। जो कि कुल मतदाताओं का 69.60 प्रतिशत था। चुनाव में बद्रीधर दीवान (भा.ज.पा) ने 50890 मत प्राप्त कर विजय हासिल की जो की कुल मतों का 40.37 था। **मस्तुरी (आरक्षित अनु.जाति)** विधानसभा क्षेत्र के 2013 विधानसभा चुनाव में कुल 14 उम्मीदवारों ने भाग लिया था, जिसमें कुल 239819 मतदाता थे जिनमें से कुल 179579 मतदाताओं ने मतदान किया था। जो कि कुल मतदाताओं का 74.88 प्रतिशत था। चुनाव में दिलीप लहरिया (भा.रा.कां) ने 86509 मत प्राप्त कर विजय हासिल की जो की कुल मतों का 48.24 था।[14]

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 12, Iss 01, 2023

2013 बिलासपुर जिला विधानसभा चुनाव पार्टीवार मत

तालिका क्रमांक – 4

पार्टी	कोटा	तखतपुर	बिल्हा	बिलासपुर	बेलतरा	मस्तुरी
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	58390	44127	83598	56656	45162	86399
भारतीय जनता पार्टी	53301	44735	73630	72255	50890	62363
बहुजन समाज पार्टी	1499	29097	2567	671	11194	11099
गोड़वाना गणतंत्र पार्टी	7432	1071	419	113	8359	2698
निर्दलीय	15463	8379	11871	1904	6235	6065
अन्य	2532	15339	5294	4375	4350	10955
कुल	**138617**	**142748**	**177379**	**135974**	**126190**	**179579**

स्त्रोत – भारतीय चुनाव आयोग रिपोर्ट – 2013

बिलासपुर जिले के मतदाताओं का विवरण

तालिका क्रमांक –5

विधानसभा चुनाव क्षेत्र	पुरूष	महिला	पोस्टल	कुल
कोटा	70569	67686	362	138617
तखतपुर	73809	68259	680	142748
बिल्हा	91735	85069	575	177379
बिलासपुर	69443	65863	668	135974
बेलतरा	65731	60014	445	126190
मस्तुरी	93549	85598	432	179579

स्त्रोत – भारतीय चुनाव आयोग रिपोर्ट 2013

IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 12, Iss 01, 2023

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मंत्रीमंडल (2013)

तालिका क्रमांक – 6

क्रमांक	पद	नाम
1.	**मुख्यमंत्री**	**रमन सिंह**
2.	गृह मंत्री	राम सेवक पैंकरा
3.	ग्रामीण विकास, पंचायत राज एवं खेल मंत्री	अजय चंद्राकर
4.	राजस्व मंत्री	प्रेम प्रकाश पाण्डेय
5.	महिला एवं बाल विकास मंत्री	रमशीला साहू
6.	स्वास्थ्य एवं कल्याण मंत्री	अजय चंद्राकर
7.	यातायात एवं वन मंत्री	भैयालाल राजवाड़े
8.	नगरीय प्रशासन, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री	अमर अग्रवाल
9.	जल संसाधन मंत्री	बृजमोहन अग्रवाल
10.	लोक निर्माण विभाग मंत्री	राजेश मूणत
11.	खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री	पुन्नूलाल मोहले
12.	स्कूल शिक्षा एवं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग मंत्री	केदार नाथ कश्यप
13.	विधि मंत्री	महेश गागड़ा
14.	पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री	दयालदास बघेल

स्त्रोत– छत्तीसगढ़ विधानसभा 2013

निष्कर्ष– छत्तीसगढ़ के 2013 के विधानसभा चुनाव में बिलासपुर जिले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। 2013 विधानसभा चुनाव में बिलासपुर जिले के कुल 900487 मतदाताओं ने छः अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों में हिस्सा लिया था। बिलासपुर जिले के मतदाताओं ने अपने मुद्दों एवं विचारों को प्रस्तुत किया, जो समर्थन और विरोध के रूप में चुनावी परिणामों पर प्रभावी हुए। चुनाव के दौरान कुछ मुख्य मुद्दे सामने आए। जिसमें बिलासपुर के मतदाताओं के प्रमुख विषय– आर्थिक विकास, सड़क सुविधा, प्रशासनिक सुविधा आदि सुविधाएं थी। लोकतांत्रिक दृष्टि से देखा जाए तो इस चुनाव ने भारत तथा छत्तीसगढ़ के लोकतांत्रिक सिद्धांतो को मजबुती दी। जो मतदाताओं की

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 12, Iss 01, 2023

भुमिका और शासन उनके विश्वास को दर्शाता हैं। स्थानीय स्तर पर इस चुनाव ने यह स्पष्ट किया कि बिलासपुर जिले के लोग अब अपने प्रतिनिधियों से अपने विकास में और अधिक सक्रिय भुमिका की अपेक्षा करता हैं। अगर सरकार और चुनाव में प्रभावी व्यक्ति बिलासपुर के विकास की आवश्यकता और सुझाव पर केन्द्रित रहे तो यह मजबूत शासन प्रणाली जिले में महत्वपूर्ण प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकता हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. आफताब डॉ. मोहम्मद एवं शाह डॉ. मजार अली (2021) भारत में लोकतंत्र एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, *International Journal of Advanced Academic Studies*, 3(2) : पृष्ठ क्रमांक – 133.
2. महादेवप्पा (2021) लोकतंत्र की चुनौतियों का अध्ययन करें और भारत में संभावित सुझाव, *International Journal of Creative Research Thoughts*, 9(12) : पृष्ठ क्रमांक – 406.
3. पटेल सलिता, सूर्यवंशी डी. एन. एवं मेश्राम अलका (2014) छत्तीसगढ़ भिलाई विधानसभा चुनाव 2008 के मतदान व्यवहार का तुलनात्मक अध्ययन, *Research Journal Of Language, Literature And Humanities*, 1(2) : पृष्ठ क्रमांक – 1.
4. महादेवप्पा (2021) लोकतंत्र की चुनौतियों का अध्ययन करें और भारत में संभावित सुझाव, *International Journal of Creative Research Thoughts*, 9(12) : पृष्ठ क्रमांक – 406–407.
5. कियानी अजीन एवं सार्तिपी डॉ. होसैन (2016) लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव के कार्य, *International Research Journal of Interdisciplinary & Multidisciplinary Studies*, 11(11) : पृष्ठ क्रमांक – 58.
6. राजाराम कल्पना एवं शर्मा राजेन्द्र प्रसाद (2022) भारतीय राजव्यवस्था संवैधानिक संरचना एवं सामाजिक मुद्दे, स्पेक्ट्रम बुक्स प्रा. लि., ISBN 81-7930-811-1, जनकपुरी, नई दिल्ली, पृष्ठ क्रमांक – 38.
7. महादेवप्पा (2021) लोकतंत्र की चुनौतियों का अध्ययन करें और भारत में संभावित सुझाव, *International Journal of Creative Research Thoughts*, 9(12) : पृष्ठ क्रमांक – 408.
8. कियानी अजीन एवं सार्तिपी डॉ. होसैन (2016) लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव के कार्य, *International Research Journal of Interdisciplinary & Multidisciplinary Studies*, 11(11) : पृष्ठ क्रमांक – 26.
9. राजाराम कल्पना एवं शर्मा राजेन्द्र प्रसाद (2022) भारतीय राजव्यवस्था संवैधानिक संरचना एवं सामाजिक मुद्दे, स्पेक्ट्रम बुक्स प्रा. लि., ISBN 81-7930-811-1, जनकपुरी, नई दिल्ली, पृष्ठ क्रमांक – 38.

10. राणा डॉ. एस. एस. एवं मीना बी. एल. (2017) भारतीय लोकतंत्र की नई चुनौतियाँ राजनीतिक दलों की भूमिका, *International Journal of Research and Analytical Reviews*, 4(3) : पृष्ठ क्रमांक – 242–243.
11. सिंह करण (2023) पंद्रहवीं राजस्थान विधानसभा चुनाव में मतदान व्यवहार (जैसलमेर जिले के विशेष सन्दर्भ में), जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, पृष्ठ क्रमांक – 5–6.
12. https://cgvidhansabha.gov.in/hindi_new/vs_intro.htm
13. https://www.bhaskar.com/first-legislative-assembly-election-of-1952-two-two-mlas-were-elected-from-20-seats-024055-2871383.html
14. https://cgvidhansabha.gov.in/hindi_new/vs_intro.htm
15. बेरा दीपांकर एवं खान डॉ. जेड. टी. (2020) बिलासपुर शहर की उत्पत्ति और विकास–एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण, *Journal Of Critical Reviews*, 7(6) : पृष्ठ क्रमांक– 2797–2798.
16. 2018 छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव पर भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा सांख्यिकी रिपोर्ट, भारतीय निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली, पृष्ठ क्रमांक –139.